डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या–24
दिनांक– मंगलवार, 24 मार्च, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.0 एवं 15.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 88 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 55 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 21.0 एवं दोपहर में 33.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 29.1 मि0मी0 वर्षा हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(25–29 मार्च, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 25–29 मार्च, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण 28–29 मार्च के आसपास उत्तर बिहार के सभी जिलों में गरज–चमक के साथ बादल बनने की संभावना है। इसके चलते हल्की बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर बारिश के दौरान तेज हवाएं चलने के साथ–साथ आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 19 से 21 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 6 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने की सम्भावना है। जबकि 25 मार्च में पछिया हवा चल सकती है। बेगुसराई जिला में पूर्वानुमानित अवधि में पछिया चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 60 से 65 प्रतिशत तथा दोपहर में 25 से 30 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- हाल के दिनों में हल्की से मध्यम वर्षा के कारण खेतों में पर्याप्त नमी आ गई है। इस अवसर का लाभ उठाते हुए किसान भाइयों को गरमा मूंग, उड़द और मक्का की बुवाई प्राथमिकता के आधार पर करनी चाहिए। जिन जिलों में आगे भी वर्षा की संभावना है, वहां के किसानों को कृषि कार्य सावधानीपूर्वक करना चाहिए।
- जिन क्षेत्रों में वर्षा की संभावना है, वहां खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें। तेज हवा या आंधी की स्थिति में बेल वाली फसलों को सहारा (मचान) दें। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार ही उर्वरक, कीटनाशी एवं सिंचाई का प्रबंधन करें, ताकि लागत कम और उत्पादन अधिक हो सके।
- इस समय गरमा मूंग और उड़द की बुवाई के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। खेत की जुताई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किग्रा नत्रजन, 45 किग्रा स्फुर (फास्फोरस), 20 किग्रा पोटाश और 20 किग्रा गंधक का उपयोग करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, आईवीएम–205–7, एचयूएम–16 और सोना, जबकि उड़द के लिए पंत उड़द–19, पंत उड़द–31, नवीन और उत्तरा किस्में उपयुक्त हैं। बुवाई से दो दिन पहले बीज को 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित करें। बुवाई से ठीक पहले राइजोबियम कल्चर से बीज का उपचार करें। छोटे दाने वाली किस्मों के लिए बीज दर 20–25 किग्राध्हेक्टेयर और बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 30–35 किग्रा/हेक्टेयर रखें। कतार से कतार की दूरी 30 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी रखें।
- वर्षा से मिली नमी का उपयोग करते हुए किसान ओल की रोपाई करें। इसके लिए गजेन्द्र किस्म उपयुक्त है। 0.5 किलोग्राम वजन वाले कंद को 75×75 सेमी की दूरी पर लगाएं और इससे कम वजन वाले कंद का उपयोग न करें। बीज दर 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बुवाई से पहले प्रत्येक गड्ढे में 3 किग्रा सड़ी गोबर खाद, 20 ग्राम अमोनियम सल्फेट या 10 ग्राम यूरिया, 37.5 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट और 16 ग्राम पोटेशियम सल्फेट डालें। कटे हुए कंद को ट्राइकोडर्मा विरिडी (5 ग्राम/लीटर गोबर घोल) में 20–25 मिनट तक डुबोकर छाया में सुखाकर रोपाई करें, जिससे मिट्टी जनित रोगों से बचाव होगा।
- नेनुआ, करेला, लौकी (कद्दू) और खीरा जैसी बेल वाली सब्जियों में लाल भृंग कीट की नियमित निगरानी करें। प्रारंभिक अवस्था में यह कीट अधिक नुकसान पहुंचाता है। नियंत्रण के लिए गोबर की राख में थोड़ा केरोसिन मिलाकर सुबह पौधों पर छिड़काव करें। अधिक प्रकोप होने पर क्लोरोपायरीफॉस 2% धूल 20 किग्राध्हेक्टेयर की दर से पौधों की जड़ों में मिलाएं। पत्तियों पर डाइक्लोरोवॉस 76 ईसी का 1 मि.ली./लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- बैंगन में तना एवं फल छेदक कीट पर विशेष ध्यान दें। यह कीट फल के अंदर जाकर उसे नष्ट कर देता है। प्रभावित तनों और फलों को तुरंत तोड़कर नष्ट करें। इसके बाद स्पिनोसैड 48 ईसी (1 मि.ली./4 लीटर पानी) या क्विनालफॉस (1.5 मि.ली./लीटर पानी) का छिड़काव साफ मौसम में करें।
- आम में फल अब सरसों के दाने के आकार के हो गए हैं। इस अवस्था में चूसक कीटों से बचाव के लिए इमिडाक्लोप्रिड 1 मि.ली./लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। फल झड़ने से बचाने के लिए प्लेनोफिक्स हार्मोन 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें, जिससे फल गिरने से बचेंगे और उनका आकार भी बढ़ेगा।

आज का अधिकतम तापमानः 25.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 7.0 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 14.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी